TestGenie
AI-Powered Question Paper Generator

Hindi — Class 7

Chapter(s): तीन बेटे (लोककथा)

Maximum Marks: 39 **Time Allowed: 1 Hour 10 Minutes**

Section A — MCQ & Assertion-Reason (1 mark each)

Q1. तीनों भाइयों ने ऊँट को देखे बिना यह निष्कर्ष निकाला कि थोड़ी देर पहले यहाँ से ऊँट गुज़रा है। इस निष्कर्ष का सबसे उपयुक्त आधार क्या है? [1 अंक]

A) उन्हें दूर से ऊँट की घंटी की आवाज़ सुनाई दी थी।

B) सड़क पर ताज़े पैरों के निशान और रौंदी हुई मिट्टी/घास जैसे संकेत दिखे होंगे।

C) नगर के लोगों ने उन्हें ऊँट के जाने की सूचना दी थी।

D) आकाश में उड़ते पक्षियों की दिशा बदल गई थी।

Q2. मझले भाई ने यह अनुमान लगाया कि ऊँट एक आँख से नहीं देख पाता होगा। पाठ के संकेतों के आधार पर यह अनुमान किस प्रकार के 'असंतुलन' को देखकर अधिक तार्किक बनता है? [1 अंक]

A) दोनों ओर पड़े पत्तों/घास का असमान रौंदा जाना

B) सड़क के बीचों-बीच समान गहराई के निशान

C) केवल पत्थरों का एक ढेर दिखाई देना

D) हवा का अचानक तेज़ हो जाना

Q3. सबसे छोटे भाई ने कहा कि ऊँट पर एक महिला और एक बच्चा सवार थे। यदि तुम्हें केवल रास्ते के संकेतों से यह अनुमान लगाना हो, तो निम्न में से कौन-सा संकेत सबसे अधिक संगत माना जाएगा? [1 अंक]

A) ऊँट के पैरों के निशानों के साथ-साथ पास में छोटे पैरों के हल्के निशान और एक ओर कपड़े/पायल जैसी चीज़ से रगड़ के सूक्ष्म चिन्ह

B) एक ही जगह पर बहुत-सा पानी गिरा हुआ मिलना

C) केवल पेड़ों पर ताज़े कटे हुए निशान दिखना

D) सड़क के किनारे दो टूटे हुए पहिये पड़े होना

Q4. राजा की 'पेटी' वाली जाँच में सबसे बड़े भाई ने पहले यह बताया कि पेटी में 'छोटी-सी गोल वस्तु' है। पाठ के अनुसार यह बात उसने किस संकेत से जानी? [1 अंक]

Generated by testgenie.ai — review for accuracy before use.

A) सेवकों के चेहरे के भाव देखकर

B) पेटी के ढक्कन पर बने चित्र देखकर

C) पेटी रखते समय अंदर लुढ़कने की ध्वनि सुनकर और उठाने के ढंग से भार का अनुमान लगाकर

D) मंत्री ने उसे पहले ही संकेत कर दिया था

Q5. मझले भाई ने पेटी में 'अनार' होने का अनुमान लगाया। पाठ के तर्क के अनुसार इस अनुमान का सबसे निर्णायक आधार क्या था? [1 अंक]

A) पेटी पर 'फल' लिखा हुआ था

B) पेटी उद्यान की ओर से लाई गई थी और महल के आसपास अनार के बहुत-से पेड़ लगे थे

C) सेवक अनार की गंध दे रहे थे

D) राजा ने अनार का नाम ज़ोर से लिया था

Q6. अभिकथन (A): 'चालीस दिनों तक लगातार चलने' का विवरण कथा में भाइयों की धैर्यशीलता और लक्ष्य-परकता को उभारता है।

कारण (R): क्योंकि उनके पास बहुत धन था और वे यात्रा में आराम-तलब होकर चलते थे। [1 अंक]

A) अभिकथन और कारण दोनों सही हैं और कारण, अभिकथन की सही व्याख्या करता है।

B) अभिकथन और कारण दोनों सही हैं किन्तु कारण, अभिकथन की सही व्याख्या नहीं करता है।

C) अभिकथन सही है किन्तु कारण गलत है।

D) अभिकथन गलत है किन्तु कारण सही है।

Q7. अभिकथन (A): ऊँट के मालिक का भाइयों को राजा के पास ले जाना कथा में 'जल्दी निष्कर्ष निकालने' की एक कमजोरी दिखाता है।

कारण (R): क्योंकि ऊँट के मालिक ने भाइयों की बात सुने बिना ही उन्हें चोर मान लिया और तलवार के बल पर ले गया। [1 अंक]

A) अभिकथन और कारण दोनों सही हैं और कारण, अभिकथन की सही व्याख्या करता है।

B) अभिकथन और कारण दोनों सही हैं किन्तु कारण, अभिकथन की सही व्याख्या नहीं करता है।

C) अभिकथन सही है किन्तु कारण गलत है।

D) अभिकथन गलत है किन्तु कारण सही है।

Q8. अभिकथन (A): कथा में 'देखना-सुनना-सूँघना-अनुभव करना' को साथ रखकर बताना यह दर्शाता है कि ज्ञान केवल आँखों से नहीं, कई इंद्रियों से बनता है।

कारण (R): इसलिए भाइयों ने पेटी की सामग्री का अनुमान केवल देखकर लगाया; उन्होंने कोई ध्वनि नहीं सुनी। [1 अंक]

Generated by testgenie.ai — review for accuracy before use.

A) अभिकथन और कारण दोनों सही हैं और कारण, अभिकथन की सही व्याख्या करता है।

B) अभिकथन और कारण दोनों सही हैं किन्तु कारण, अभिकथन की सही व्याख्या नहीं करता है।

C) अभिकथन सही है किन्तु कारण गलत है।

D) अभिकथन गलत है किन्तु कारण सही है।

Q9. अभिकथन (A): 'भाइयों ने जवाब दिया' वाक्य में 'ने' शब्द कर्ता और क्रिया के संबंध को जोड़ने वाला कारक/परसर्ग है।

कारण (R): कारक/परसर्ग केवल 'संज्ञा या सर्वनाम' के साथ आकर वाक्य में संबंध स्पष्ट करते हैं। [1 अंक]

A) अभिकथन और कारण दोनों सही हैं और कारण, अभिकथन की सही व्याख्या करता है।

B) अभिकथन और कारण दोनों सही हैं किन्तु कारण, अभिकथन की सही व्याख्या नहीं करता है।

C) अभिकथन सही है किन्तु कारण गलत है।

D) अभिकथन गलत है किन्तु कारण सही है।

Q10. अभिकथन (A): लोककथा को प्रभावशाली ढंग से सुनाने में 'स्वर में उतार-चढ़ाव' और 'भावनाओं की अभिव्यक्ति' का उद्देश्य श्रोताओं में उत्साह/रहस्य पैदा करना है।

कारण (R): यदि कहानी सुनाने वाला हर जगह एक ही स्वर रखे, तो श्रोता कहानी अधिक ध्यान से याद रख पाते हैं। [1 अंक]

A) अभिकथन और कारण दोनों सही हैं और कारण, अभिकथन की सही व्याख्या करता है।

B) अभिकथन और कारण दोनों सही हैं किन्तु कारण, अभिकथन की सही व्याख्या नहीं करता है।

C) अभिकथन सही है किन्तु कारण गलत है।

D) अभिकथन गलत है किन्तु कारण सही है।

Section B — Very Short Answer (2 marks each)

Q11. भाइयों ने पिता की सीख के अनुरूप 'दूसरे प्रकार का धन' किसे माना? उत्तर 2-3 बिंदुओं में लिखिए। [2 अंक]

Q12. राजा ने पेटी की जाँच से भाइयों के बारे में कौन-सा निष्कर्ष निकाला, और उसने ऊँट के मालिक को क्या निर्देश दिया? 2-3 वाक्यों में लिखिए। [2 अंक]

Q13. 'कहानी सुनाना' के सुझावों में से किसी दो का चयन करके बताइए कि वे श्रोताओं को कहानी याद रखने में कैसे मदद करते हैं। उत्तर ठीक 2 वाक्यों में दीजिए। [2 अंक]

Section C — Short Answer (3 marks each)

Q14. भाइयों के 'ऊँट' और 'पेटी'-दोनों प्रसंगों में तर्क-प्रक्रिया की तुलना कीजिए। उत्तर ठीक 3 क्रमांकित

Generated by testgenie.ai — review for accuracy before use.

बिंदुओं में लिखिए, प्रत्येक बिंदु में शीर्षक और 1-2 वाक्य हों। [3 अंक]

Q15. लोककथा सुनाने वाला यदि 'संवादों को स्पष्ट और प्रासंगिक' न बनाए, तो श्रोता पर क्या प्रभाव पड़ेगा? इस कथा 'तीन बुद्धिमान' को ध्यान में रखकर ठीक 3 क्रमांकित बिंदुओं में उत्तर दीजिए। [3 अंक]

Q16. कल्पना कीजिए कि राजा ने पेटी की जगह कोई दूसरी 'तुरंत जाँच' रखी होती। भाइयों की दृष्टि-बुद्धि की परीक्षा लेने के लिए आप एक वैकल्पिक जाँच सुझाइए और बताइए कि उससे क्या-क्या परखा जाएगा। उत्तर ठीक 3 क्रमांकित बिंदुओं में लिखिए। [3 अंक]

Section D — Long Answer (5 marks each)

Q17. लोककथा 'तीन बुद्धिमान' के आधार पर विश्लेषण कीजिए कि तीनों भाइयों ने ऊँट के बारे में (बहुत बड़ा, एक आँख से कमजोर, उस पर महिला व बच्चा) बिना देखे कैसे निष्कर्ष निकाला होगा। उत्तर में 1 वाक्य भूमिका फिर 5 क्रमांकित शीर्षकयुक्त बिंदुओं में कारण-प्रमाण (हर बिंदु 2 वाक्य) और अंत में 1 वाक्य निष्कर्ष लिखिए। [5 अंक]

Q18. राजा ने भाइयों की बुद्धिमत्ता परखने के लिए पेटी वाला प्रसंग रचा। इस परीक्षण को 'न्याय' और 'तर्क' की कसौटी पर जाँचिए: (क) राजा का तरीका कितना उचित/अनुचित था? (ख) भाइयों की सफाई का सबसे मजबूत तर्क क्या था? (ग) यदि आप राजा के स्थान पर होते तो जांच को और निष्पक्ष बनाने के लिए कौन-से 2 सुधार करते? उत्तर निर्धारित रूप (भूमिका, 5 बिंदु, निष्कर्ष) में लिखिए। [5 अंक]

Section E — Case Study (4 marks each)

Q19. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए: [4 अंक]

एक विद्यालय में 'पैनी दृष्टि' पर गतिविधि हुई। अध्यापक ने तीन विद्यार्थियों को खेल के मैदान तक जाने वाले रास्ते की जाँच करने को कहा। 200 मीटर के रास्ते में उन्होंने 6 अवलोकन नोट किए-(1) 35-60 मीटर के बीच दाईं ओर घास दब गई थी, बाईं ओर नहीं। (2) 70 मीटर पर मिट्टी पर गोल-सी वस्तु के लुढ़कने जैसी दो हल्की रेखाएँ थीं। (3) 90 मीटर पर पदचिह्न बाकी हिस्सों की तुलना में अधिक गहरे थे। (4) 110 मीटर पर रुकने के स्थान पर मिट्टी में दो अलग-अलग ऊँचाई के घिसाव-निशान दिखे। (5) 150 मीटर पर एक पेड़ की डाल पर कपड़े का छोटा टुकड़ा अटका था। (6) 170 मीटर पर हवा में फल जैसी हल्की खुशबू महसूस हुई और पास में बगीचे की दीवार थी।

अध्यापक ने कहा-"केवल इन्हीं संकेतों के आधार पर बताइए कि रास्ते से संभवतः कौन-सा बड़ा जानवर/वाहन गुजरा, उसमें कोई विशेष कमी थी या नहीं, और आगे की दिशा तय करने में आप किस संकेत को सबसे निर्णायक मानेंगे।" विद्यार्थियों को कहानी 'तीन बुद्धिमान' का उदाहरण याद आया, पर उन्हें अपने तर्क लिखित रूप में देना था।

Generated by testgenie.ai — review for accuracy before use.

(i) 90 मीटर पर 'अधिक गहरे पदचिह्न' से आप क्या निष्कर्ष निकालेंगे? अपना उत्तर 1-2 पंक्तियों में कारण सहित लिखिए। (1 अंक)

(ii) 35-60 मीटर के बीच केवल दाईं ओर घास दबने का संकेत 'तीन बुद्धिमान' की तरह किस प्रकार की कमी/असमानता की ओर इशारा कर सकता है? (1 अंक)

(iii) अध्यापक के प्रश्न के अनुसार आगे की दिशा तय करने में आप किस एक संकेत को 'सबसे निर्णायक' मानेंगे और क्यों? 3-4 वाक्यों में तर्क लिखिए। (2 अंक)

Generated by testgenie.ai — review for accuracy before use.

Hindi — Class 7

Chapter(s): तीन बेटे (लोककथा)

Section A — MCQ & Assertion-Reason (1 mark each)

A1.

उत्तर:

Correct option: (B)

सड़क पर ताज़े पैरों के निशान और रौंदी हुई मिट्टी/घास जैसे संकेत दिखे होंगे।

Explanation:

कथा में भाई 'धरती पर दृष्टि डालकर' ऊँट के अभी-अभी गुज़रने की बात कहते हैं, जो प्रत्यक्ष दृश्य संकेतों पर आधारित अनुमान है। पैरों के निशान, रौंदी मिट्टी/घास जैसे संकेत 'देखना-अनुभव करना' वाली पैनी दृष्टि से पकड़े जाते हैं।; Hence, option (B) is correct.

A2.

उत्तर:

Correct option: (A)

दोनों ओर पड़े पत्तों/घास का असमान रौंदा जाना

Explanation:

एक आँख से कम देखने वाला पशु एक तरफ अधिक झुककर/एक तरफ की चीज़ों पर कम प्रतिक्रिया देकर चल सकता है, जिससे सड़क के दोनों ओर रौंदने के निशानों में असमानता दिखना संभव है। मझला भाई 'सड़क के दोनों ओर देखकर' निष्कर्ष निकालता है, यानी आधार दृश्य-असमानता है।; Hence, option (A) is correct.

A3.

उत्तर:

Correct option: (A)

ऊँट के पैरों के निशानों के साथ-साथ पास में छोटे पैरों के हल्के निशान और एक ओर कपड़े/पायल जैसी

चीज़ से रगड़ के सूक्ष्म चिन्ह

Explanation:

कथा में छोटा भाई ऊँट पर महिला और बच्चे के सवार होने का निष्कर्ष 'देखने-सुनने-अनुभव' वाले सूक्ष्म संकेतों से निकालता है। ऊँट के निशानों के साथ अन्य सूक्ष्म पदचिह्न/रगड़-चिन्ह जैसे संकेत सवारी के होने की संभावना को तर्कसंगत बनाते हैं।; Hence, option (A) is correct.

A4.

उत्तर:

Correct option: (C)

पेटी रखते समय अंदर लुढ़कने की ध्वनि सुनकर और उठाने के ढंग से भार का अनुमान लगाकर

Explanation:

सबसे बड़ा भाई बताता है कि पेटी 'थोड़ी भी भारी नहीं' लगी और रखते समय अंदर 'छोटी-सी गोल वस्तु वे लुढ़कने की ध्वनि' सुनाई दी। यही दो संकेत उसके निष्कर्ष का आधार बने।; Hence, option (C) is correct.

A5.

उत्तर:

Correct option: (B)

पेटी उद्यान की ओर से लाई गई थी और महल के आसपास अनार के बहुत-से पेड़ लगे थे

Explanation:

मझला भाई स्थान-आधारित अनुमान करता है: पेटी उद्यान की ओर से आई और अंदर छोटी गोल वस्तु है, तथा आसपास अनार के पेड़ हैं, इसलिए 'अनार' होने की संभावना सबसे अधिक है। यह 'परिवेश से अनुमान' वाली बुद्धि का उदाहरण है।; Hence, option (B) is correct.

A6.

उत्तर:

Correct option: (C)

अभिकथन सही है किन्तु कारण गलत है।

Explanation:

चालीस दिन चलना, सूनसान घाटियाँ और ऊँचे पहाड़ पार करना-यह उनके धैर्य व दृढ़ निश्चय का संकेत है,

Generated by testgenie.ai — review for accuracy before use.

इसलिए अभिकथन सही है। कारण गलत है क्योंकि कथा में वे निर्धन बताए गए हैं और कहते हैं कि जरूरत पड़ने पर चरवाहे/मज़दूर का काम करेंगे।

A7.

उत्तर:

Correct option: (A)

अभिकथन और कारण दोनों सही हैं और कारण, अभिकथन की सही व्याख्या करता है।

Explanation:

कथा में ऊँट का मालिक यह मान लेता है कि ऊँट भाइयों के पास है और वह उनकी सफाई सुनने को तैयार नहीं होता; यह जल्दबाज़ी है। कारण उसी व्यवहार (सुने बिना दोषी ठहराना और बल-प्रयोग) को बताकर अभिकथन की व्याख्या करता है।

A8.

उत्तर:

Correct option: (C)

अभिकथन सही है किन्तु कारण गलत है।

Explanation:

पाठ का संदेश बहु-इंद्रिय निरीक्षण का है-भाई घटनाओं को ध्यान से देखते, सुनते, सूँघते और अनुभव करते हैं, इसलिए अभिकथन सही है। पेटी वाले प्रसंग में बड़े भाई ने अंदर लुढ़कने की 'ध्वनि' सुनने की बात कही है, इसलिए कारण गलत है।

A9.

उत्तर:

Correct option: (A)

अभिकथन और कारण दोनों सही हैं और कारण, अभिकथन की सही व्याख्या करता है।

Explanation:

अभिकथन में 'ने' का कार्य वही है जो पाठ में दिखाया गया है-'भाइयों' (कर्ता) और 'जवाब दिया' (क्रिया) के बीच संबंध जोड़ना। कारण कारक/परसर्ग की सामान्य भूमिका बताता है, जिससे अभिकथन का नियमात्मक आधार स्पष्ट होता है।

Generated by testgenie.ai — review for accuracy before use.

A10.

उत्तर:

Correct option: (C)

अभिकथन सही है किन्तु कारण गलत है।

Explanation:

पाठ में कहा गया है कि स्वर में उतार-चढ़ाव से उत्साह और रहस्य बनता है तथा खुशी-दुख-आश्चर्य जैसी भावनाएँ स्वर से व्यक्त की जाती हैं, इसलिए अभिकथन सही है। एक ही स्वर रखने से कहानी रोचक नहीं रहती; पाठ इसके विपरीत उतार-चढ़ाव की सलाह देता है, इसलिए कारण गलत है।

Section B — Very Short Answer (2 marks each)

A11.

उत्तर:

1) उन्होंने 'हर वस्तु और स्थिति को पूरी तरह समझने-जानने का प्रयास' को धन माना।

2) रुपये-पैसे के स्थान पर 'पैनी दृष्टि' और सोने-चाँदी के स्थान पर 'तीव्र बुद्धि' को अपना संचय योग्य धन माना।

A12.

उत्तर:

राजा ने निष्कर्ष निकाला कि भाई चोर नहीं हैं, बल्कि बहुत बुद्धिमान हैं। उसने ऊँट के मालिक को भाइयों के बताए रास्ते पर जाकर ऊँट खोजने का निर्देश दिया।

पेटी में कच्चा अनार सही बताने से यह साबित हुआ कि भाई संकेतों और तर्क से निष्कर्ष निकालते हैं, चोरी से नहीं। इसलिए राजा ने निर्णय बदलकर न्याय किया और मालिक को सही दिशा में खोज करने को कहा।

A13.

उत्तर:

स्वर में उतार-चढ़ाव से रहस्य/रोमांच वाले हिस्से उभरते हैं, इसलिए श्रोता ध्यान केंद्रित रखता है। भावनाओं की अभिव्यक्ति (खुशी, दुख, आश्चर्य) से दृश्य मन में जीवंत बनते हैं और कहानी लंबे समय तक याद रहती है।

Section C — Short Answer (3 marks each)

Generated by testgenie.ai — review for accuracy before use.

A14.

उत्तर:

1) संकेतों का चयन: ऊँट प्रसंग में उन्होंने रास्ते/धरती और सड़क के दोनों ओर के सूक्ष्म संकेतों से निष्कर्ष निकाला, जबकि पेटी प्रसंग में उठाने के ढंग और लुढ़कने की ध्वनि जैसे संकेतों पर ध्यान दिया।

2) अनुमान की श्रृंखला: ऊँट में अनुमान क्रमशः 'गुज़रना → एक आँख से कम देखना → महिला-बच्चा सवार' की ओर बढ़ता है, जबकि पेटी में 'हल्की पेटी → गोल वस्तु → अनार → कच्चा अनार' की श्रृंखला बनती है।

3) प्रमाण देकर समझाना: दोनों जगह वे केवल निष्कर्ष नहीं कहते, बल्कि बाद में कारण भी बताते हैं-ऊँट में 'दृष्टि और बुद्धि' का दावा और पेटी में ध्वनि/परिवेश/ऋतु के आधार पर स्पष्ट व्याख्या।

A15.

उत्तर:

1) समझ में बाधा: यदि संवाद अस्पष्ट हों, तो यह पता नहीं चलता कि किसने किससे क्या कहा; जैसे ऊँट के मालिक-भाइयों-राजा के बीच आरोप और सफाई की कड़ियाँ टूट जाएँगी।

2) तर्क-क्रम कमजोर: इस कथा की खासियत कारण बताना है; संवाद प्रासंगिक न हों तो 'क्यों' वाला हिस्सा गायब होगा और भाइयों की बुद्धिमत्ता सिर्फ संयोग लगेगी।

3) रुचि और याददाश्त घटेगी: रोचकता संवादों से बनती है; साफ संवाद न होने पर तनाव/आश्चर्य कम होगा और श्रोता कहानी न ठीक से याद रख पाएगा, न आगे की जिज्ञासा बनेगी।

A16.

उत्तर:

1) जाँच-सुझाव: राजा दरबार में एक कपड़ा ढका थाल मँगवाए और सेवक को उसे बिना झटके धीरे रखने का निर्देश दे; भाई केवल रखने की ध्वनि/कंपन और सेवक के पकड़ने के तरीके से वस्तु का आकार-भार बताएं।

2) क्या परखा जाएगा: इससे बहु-इंद्रिय निरीक्षण (ध्वनि, कंपन, गति) और 'भार/आकार' का तर्कपूर्ण अनुमान परखा जाएगा, जैसा पेटी प्रसंग में हुआ था।

3) निष्कर्ष की व्याख्या: भाइयों से कहा जाए कि वे सिर्फ उत्तर न दें, बल्कि कारण भी दें; इससे उनकी 'तर्क-व्याख्या क्षमता' और कहानी वाली 'पैनी दृष्टि + तीव्र बुद्धि' दोनों की जाँच होगी।

Section D — Long Answer (5 marks each)

A17.

उत्तर:

Generated by testgenie.ai — review for accuracy before use.

यह लोककथा बताती है कि पैनी दृष्टि और तर्क से बिना प्रत्यक्ष देखे भी सही निष्कर्ष निकाले जा सकते हैं।

1) पगचिह्नों से आकार का अनुमान: रास्ते पर गहरे और चौड़े पदचिह्न देखकर भाइयों ने ऊँट के 'बहुत बड़ा' होने का अनुमान किया। बड़े जानवर का वजन अधिक होता है, इसलिए उसके निशान साधारण ऊँट से अधिक धँसे हुए होते हैं।

2) एक आँख से कमजोर होने का संकेत: यदि ऊँट एक आँख से कम देखता हो तो वह चलते समय एक ओर अधिक झुककर या उसी ओर की वस्तुओं से अधिक टकराकर चलता है। सड़क के दोनों ओर की घास/झाड़ियों में असमान रूप से दबाव या नुकसान देखकर मझले भाई ने यह निष्कर्ष निकाला होगा।

3) महिला और बच्चे के सवार होने के संकेत: ऊँट पर सवारी होने पर कदमों के साथ-साथ बैठने-उतरने के स्थान पर मिट्टी का अधिक रगड़ना/कुचलना या कुछ जगहों पर रुक-रुक कर निशान बनना संभव है। छोटे भाई ने दो अलग-अलग भार-वितरण (एक भारी, एक हल्का) के संकेतों से 'महिला व बच्चा' जैसी जोड़ी का अनुमान लगाया होगा।

4) प्रमाणों को जोड़कर निष्कर्ष बनाना: भाइयों ने एक ही संकेत पर भरोसा नहीं किया, बल्कि कई छोटे संकेतों को जोड़कर बड़ा निष्कर्ष निकाला। यही कारण है कि उनके कथन आपस में संगत थे और घुड़सवार की बातों से मेल खा गए।

5) 'देखना-सुनना-अनुभव' की आदत का प्रभाव: कथा में स्पष्ट है कि बचपन से वे कोई बात दृष्टि से नहीं चूकने देते थे। लगातार अभ्यास से वे सामान्य लोगों की तुलना में सूक्ष्म बदलावों को जल्दी पहचानते और तर्क से उसे निश्चित रूप देते थे।

निष्कर्षतः ऊँट को देखे बिना भी पर्यावरणीय संकेतों और बुद्धि के संयोजन से भाइयों का अनुमान वैज्ञानिक ढंग का तर्क-निर्माण बन गया।

A18.

उत्तर:

यह प्रसंग दिखाता है कि संदेह की स्थिति में न्याय और तर्क-दोनों का संतुलित प्रयोग आवश्यक है।

1) न्याय-प्रक्रिया की कमी: ऊँट-मालिक ने बिना प्रमाण भाइयों को 'चोर' मान लिया और तलवार दिखाकर दरबार ले गया, यह अनुचित दबाव था। राजा को पहले तथ्य जुटाकर शांतिपूर्ण पूछताछ करनी चाहिए थी, न कि डर के माहौल में निर्णय की ओर बढ़ना चाहिए था।

2) राजा का परीक्षण-उद्देश्य बनाम तरीका: राजा का उद्देश्य सच्चाई जानना था, जो उचित है, क्योंकि केवल कथन से दोष सिद्ध नहीं होता। पर परीक्षण अचानक और एकतरफा था; निष्पक्षता तब बढ़ती जब कई स्वतंत्र संकेतों से उनकी क्षमता जाँची जाती।

3) भाइयों की सफाई का मजबूत तर्क: उन्होंने स्पष्ट कहा कि वे 'आँखों और बुद्धि' से काम लेते हैं, अर्थात

Generated by testgenie.ai — review for accuracy before use.

संकेतों से निष्कर्ष निकालते हैं, वस्तु देखना आवश्यक नहीं। यह तर्क इसलिए मजबूत है क्योंकि उन्होंने अनुमान के पीछे प्रक्रिया बताई-ध्वनि, हल्कापन, उद्यान से पेटी आना, और ऋतु के अनुसार कच्चापन।

4) प्रमाण-आधारित सत्यापन का महत्व: पेटी खुलने पर अनार निकलना 'जांच योग्य' परिणाम था, जिससे राजा का निर्णय प्रमाण पर टिक गया। इससे यह भी सिद्ध हुआ कि बुद्धिमत्ता को परिणाम और कारण-दोनों से परखा जा सकता है।

5) निष्पक्षता बढ़ाने के दो सुधार: पहला, राजा दो अलग-अलग पेटियों/वस्तुओं से क्रमिक परीक्षण करता ताकि संयोग की संभावना घटे। दूसरा, वह भाइयों से अनुमान के आधार लिखवाकर (या सबके सामने बोलवाकर) रिकॉर्ड करता और फिर वस्तु खोलकर मिलान करता, जिससे प्रक्रिया पारदर्शी होती।

निष्कर्षतः राजा का संदेह-निवारण का लक्ष्य सही था, पर न्यायपूर्ण निर्णय के लिए भय नहीं, पारदर्शी और बहु-प्रमाण आधारित जांच आवश्यक है।

Section E — Case Study (4 marks each)

A19.

(i) 90 मीटर पर 'अधिक गहरे पदचिह्न' से आप क्या निष्कर्ष निकालेंगे? अपना उत्तर 1-2 पंक्तियों में कारण सहित लिखिए।

उत्तर:

अधिक गहरे पदचिह्न से निष्कर्ष निकलता है कि गुजरने वाला जानवर/वाहन भारी था या उस समय उस पर अतिरिक्त भार था। वजन बढ़ने पर जमीन पर दबाव बढ़ता है, इसलिए निशान अधिक धँसते हैं।

(ii) 35-60 मीटर के बीच केवल दाईं ओर घास दबने का संकेत 'तीन बुद्धिमान' की तरह किस प्रकार की कमी/असमानता की ओर इशारा कर सकता है?

उत्तर:

यह संकेत चलने में एक ओर झुकाव या एक तरफ अधिक निर्भरता की ओर इशारा कर सकता है, जैसे एक आँख से कम देखना या एक ओर ध्यान/दृष्टि कमजोर होना। ऐसी कमी में प्राणी एक ही ओर ज्यादा भटकता/रगड़ता है, जिससे उसी तरफ घास अधिक दबती है।

(iii) अध्यापक के प्रश्न के अनुसार आगे की दिशा तय करने में आप किस एक संकेत को 'सबसे निर्णायक' मानेंगे और क्यों? 3-4 वाक्यों में तर्क लिखिए।

उत्तर:

मैं 170 मीटर वाले संकेत (फल जैसी खुशबू और बगीचे की दीवार) को सबसे निर्णायक मानूँगा। यह संकेत स्थान की पहचान कराता है और संभावित लक्ष्य/गंतव्य की दिशा स्पष्ट करता है, जैसे कहानी में पेटी उद्यान

Generated by testgenie.ai — review for accuracy before use.

की ओर से लाई गई थी। खुशबू और दीवार मिलकर बताते हैं कि आगे बगीचा/आबादी का क्षेत्र है, जहाँ जानवर/सवारी रुकने की संभावना अधिक है। इसलिए दिशा तय करने में यह संकेत अन्य बिखरे संकेतों की तुलना में अधिक ठोस 'स्थान-सूचक' प्रमाण देता है।

Generated by testgenie.ai — review for accuracy before use.